Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding flood damage in Sehore district in Bhopal Parliamentary Constituency.

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर (भोपाल): अध्यक्ष महोदय, आज के ऐतिहासिक दिन के लिए अखण्ड भारत की जय, भारत माता की जय ।

महोदय, मैं समस्त भारतवर्ष को अखण्ड भारत की, स्वतंत्र भारत की, जो आज सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता मिली है, बहुत-बहुत बधाई देती हूं ।

मन बहुत आह्लादित है, लेकिन शून्य काल का यह जो अवसर है, इसमें कुछ ऐसी समस्या मैं कहने वाली हूं, मैंने हिम्मत बहुत कर ली है, क्योंकि पता नहीं कितने दिन से यह प्रक्रिया चल रही है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है, परन्तु मैं जब से आई हूं, उसे सहन करती जा रही हूं । *...(Interruptions) ...** *

महोदय, आज मैंने शेर की सवारी कर ली है । मैं यह कहना चाहती हूं कि यह जो व्यवस्था है ।...(व्यवधान) महोदय कोई नहीं यह कहता है, इसलिए मैं कहना चाहती हूं । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्या, आप मेरी बात सुनिए । संसद के परिसर की बात संसद में नहीं की जाती है । आप व्यक्तिगत रूप से मुझसे मिल कर अपनी बात कहिएगा । यह नियम है, अपनी प्रक्रिया है ।

आप कोई दूसरे विषय के बारे में कह दें ।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर : महोदय, मैं अपना दूसरा विषय सदन में रखती हूं । अभी भोपाल लोक सभा क्षेत्र के सीहोर जिला में बहुत अधिक बाढ़ आई है, जिसके कारण बहुत जनहानि हुई है और वहां शासन के कारण प्रशासन भी ढ़ीला है । वहां उनके लिए ठीक से व्यवस्था नहीं की जा रही है । वहां रोग भी फैल रहे हैं, लोगों के घरों में पानी भरा है और जिन लोगों के घर गिर गए हैं,

उनको सुव्यस्थित तरीके से पर्याप्त भोजन, पानी और रहने की भी व्यवस्था नहीं मिल पा रही है । ये

अव्यवस्थाएं हैं । पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए कोई धर्मधारी और राष्ट्रवादी खड़ा होता है तो उसको बदनाम कर दिया जाता है और कहा जाता है कि ये आपका लाभ उठा रहे हैं, स्वार्थवश ये लोग ऐसा काम कर रहे हैं । मध्य प्रदेश में वर्तमान सरकार के शासनकाल में किसी की सहायता करना भी दूभर हो रहा है और उनको बदनाम किया जा रहा है ।

मेरा आपसे आग्रह है कि ऐसी जो प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, उनको सहयोग मिले और हम उनका कार्य अच्छी तरह से कर सकें, इसके लिए हमारा कुछ सहयोग कीजिए ।